

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

116 पञ्जाबली पेशा वकील पसकाल उपर है।
दिनांक 15/2/1970 पेशा वकील
श्री गुरुमन

17 पञ्जाबली पेशा वकील पसकाल उपर है।
राजवर्ष वाद या भद्रम वासीन कल्याण
इन्सागर नौरिस पञ्जाबली रिगोक
5/4/17 का पेशा वकील

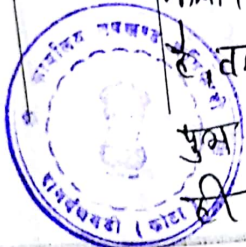
5⁴/₁₇ पञ्जाबली पेशा वकील पसकाल उपर है।
सन्धी मुगल पेशा वकील पर भाषा है।
वाही वासी 2/5/17 का पेशा वकील

12⁶/₁₇ राजस्व लोक अदालत अभियान
"न्याय आपके द्वार-2017"
कम रकत... पीप्रावडी
दिनांक 12.16.2012

शमशरीण

पञ्जाबली आज राजस्व लोक अदालत पर
पेशा। एतिवादी नं० 1 उपस्थित है। एतिवादी
हुम। का कथन है, कि वादगत शमि पुरवैनी
है, तथा उसके स पुत्र विनेश कुमार व
गनेवालाल की गनेवालाल की मृत्यु
हो चुकी है, वारिसा उसकी बहू है, तथा
वादी नं० 2 उसका पोता है।
उस पोते का शमि केस पर भाषित
वहीं है।

उसने उक्त का झूली भाँति अद्यमत
किया। शमि के पुरवैनी होने की एकीकोपेसिड
है, तथा एतिवादी हुम। द्वारा अपने के
पुत्र होने की एकीकोपेसिड होने के साथ
ही उक्त राज्य राज्य कार्ड स भी



उपस्थित अधिकारी
समंजसपदी

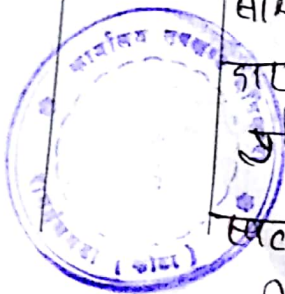
तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जम

पुकर होल ही पुश्लनी श्रमि पर उचित
नं० २ व ३ के नाम किस प्रकार दर्ज किया
गया यह तय नहीं किया जा सकता
भारत ही ज्वीर हुम २ व ३, उपोपस्थित है
क्योंकि पसकार ५११ वर्तन के हैं, जिसे पर
H.S. Act 1956 की धारा २(२) प्रभावी
है।

भारत ५११ वर्तन में पुरुष उत्तराधिकारी
नारी की भोजपुरी में महिला उत्तराधिकारी
की विरासत लब्ध होना नहीं हो सकता
भारत ही right by birth ही प्राप्त है
ऐसी छूट में बहमल की हद तक
बाद वारिसों अंशतः स्वीकार किया जाता
उचित प्रतीत होता है।

भारत दावा वादीगठा अंशतः स्वी-
कार किया जाकर यह आदेश -
दिए जाते हैं, कि ग्राम जीपावेड़ी की
श्रमि हम्ब अमावेंदी २०७१-७५ खाला
नं० १९ किला १० कवा ३.५५ हेक्टर
पर वारी नं० २ की उत्तराधिकारी नं० १ के
साम उत्तराधिकारी नं० १ के हिस्से पर सहकारी
कार घोषित किया जाता है।

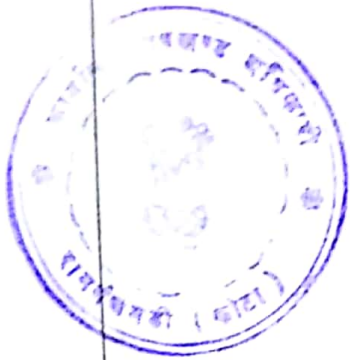


उत्तराधिकारी नं० १ के बकाया शुभ की
सर्व पर इलस नोट विपरीत प्रभाव
नहीं होगा।

Handwritten signature or initials in blue ink.

रीख क्रम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर य तारीख अहकाम जो इस हुकम की तारीख में जारी हुए
-------------	-----------------------------------	---

एलियादी नं० २ व ३ के नाम मय विधि
 विक्रम कर कर निर्णय हो एत व
 उन्हे हस्तगत के लिये जमका से बाद
 काम करन हेतु भी व्यवस्था हो ग
 अतः एलिया नं० १ के विरुद्ध पट वादी नं०
 २ का नाम बगोटे सहवालेदार कर निर्णय
 जाकी तदनुसार रिहती मुलिय हो
 निर्णय आज दि० १२/६/१७ को
 राजस्थान लोक अदालत में सुनाया



चिन्मयी गोपाल
 उपखण्ड अधिकारी
 जयपुर